दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की असली पहचान उसके शब्दों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और कर्मों से होती है। जो व्यक्ति दूसरों के सुख में प्रसन्न और दुःख में सहारा बनता है, वही वास्तव में महान कहलाने का अधिकारी होता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-101 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 6 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

संविधान - संघर्ष, बलिदान और सामाजिक न्याय की अमर विरासत

भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह सदियों की गुलामी, संघर्ष, त्याग और बलिदानों का निचोड़ है। यह उस ऐतिहासिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने का सपना देखा था। संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है, जो देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय का आश्वासन देता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में संविधान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की असंख्य विविधताएँ हैं, लेकिन इन सबके बीच एकता और समरसता बनाए रखने का कार्य संविधान करता है। संविधान ने 'हम भारत के लोग' की भावना को आधार बनाकर यह सुनिश्चित किया कि इस देश का हर नागरिक समान अधिकारों का अधिकारी होगा, चाहे उसकी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र कोई भी क्यों न हो।

संविधान का निर्माण कोई साधारण प्रक्रिया नहीं थी। इसे बनाने में लगभग तीन वर्ष का समय लगा और संविधान सभा में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिनिधियों ने लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद इसे तैयार किया। 26 नवंबर 1949 को इसे अंगीकृत किया गया और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया में अनेक महान व्यक्तित्वों का योगदान रहा, जिनमें संविधान के प्रमुख शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने संविधान को ऐसा स्वरूप देने का प्रयास किया, जिसमें सामाजिक न्याय, समान अवसर और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूत नींव रखी जा सके। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल शासन व्यवस्था का ढांचा नहीं देता, बल्कि समाज में न्याय और समानता स्थापित करने की दिशा भी दिखाता है। इसमें मौलिक अधिकारों की व्यवस्था की गई है, जो हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता का अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता और संवैधानिक उपचार का अधिकार प्रदान करते हैं। इसके साथ ही संविधान नागरिकों को उनके कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, ताकि अधिकार और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बना रहे।

भारत का संविधान अल्पसंख्यकों, कमजोर वर्गों और वंचित समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने का भी सशक्त माध्यम है। सदियों से सामाजिक भेदभाव और असमानता का सामना कर रहे लोगों को न्याय दिलाने के लिए संविधान ने आरक्षण जैसी व्यवस्थाओं को भी स्वीकार किया। इसका उद्देश्य केवल अवसर देना नहीं था, बल्कि समाज में समानता और सम्मान की भावना स्थापित करना भी था। संविधान की एक और महत्वपूर्ण विशेषता इसकी लचीलापन है। समय के साथ समाज की परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं, इसलिए संविधान में संशोधन की व्यवस्था भी की गई है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि संविधान समय के साथ स्वयं को बदलते हुए भी अपने मूल मूल्यों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व–को बनाए रखे। यही कारण है कि संविधान आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना इसके निर्माण के समय था। लेकिन केवल संविधान का होना ही पर्याप्त नहीं है। उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे लागू करने वाले लोग कितनी ईमानदारी और निष्ठा से उसका पालन करते हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था कि 'संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं हैं, तो वह सफल नहीं हो सकता।' यह कथन आज भी उतना ही सत्य है जितना उस समय था। लोकतंत्र की मजबूती केवल कानूनों से नहीं, बल्कि नागरिकों और शासकों की नैतिकता और जिम्मेदारी से होती है। आज के समय में जब समाज में अनेक प्रकार की चुनौतियाँ सामने आ रही हैं–जैसे सामाजिक असमानता, सांप्रदायिक तनाव और राजनीतिक मतभेद–तब संविधान के मूल्यों को समझना और उन्हें अपने जीवन में अपनाना और भी आवश्यक हो जाता है। संविधान हमें यह सिखाता है कि मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन लोकतांत्रिक तरीके से उनका समाधान करना ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है। वास्तव में, संविधान केवल अदालतों और सरकारी दफ्तरों तक सीमित रहने वाला दस्तावेज़ नहीं है। यह हमारे आचरण, विचार और सामाजिक व्यवहार में भी झलकना चाहिए। जब हम एक-दूसरे के अधिकारों का सम्मान करेंगे, समानता और बंधुत्व की भावना को अपनाएंगे, तभी संविधान की वास्तविक भावना जीवित रह पाएगी।

अंततः कहा जा सकता है कि भारतीय संविधान हमारे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। यह केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण और समरस समाज की परिकल्पना है। यदि हम इसके मूल्यों को समझकर अपने जीवन में उतार लें, तो न केवल हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा, बल्कि भारत वास्तव में उस आदर्श राष्ट्र के रूप में उभरेगा, जिसकी कल्पना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं ने की थी।

एसएमएस हॉस्पिटल में लोकल स्तर पर दवा खरीद का खेल:स्टॉक में दवाइयां होने के बावजूद मरीजों को खाली हाथ लौटाया जा रहा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल में इन दिनों एक बड़ा खेल चल रहा है। जिन दवाईयों का स्टॉक हॉस्पिटल के डीडीसी स्टोर में उपलब्ध होने के बावजूद फार्मासिस्ट मरीजों को वे दवाएं नहीं दे रहे। इसके बजाय, वे मरीज से डॉक्टर की पर्ची जमा करवाकर अगले दिन या दो दिन बाद आने को कहते हैं। ताकि उन दवाओं कोस्थानीय स्तर पर महंगी दरों से खरीदा जा सके। दरअसर 4 मार्च को 73 साल का एक मरीज चरक भवन में दिखाने आया और उसे डॉक्टर ने कुछ दवाईयां दी। इनमें से कुछ दवाईयां तो डीसीसी काउंटर से मरीज

को दे दी, लेकिन एक-दो दवाई देने से मना कर दिया और बुजुर्ग को 11 नंबर काउंटर (जहां लोकल स्तर पर खरीद करके दवाईयां देते है) पर भेज दिया। जहां उस बुजुर्ग मरीज को पहले तो पर्ची और आईडी कार्ड की फोटो कॉपी लाने के लिए बाजार भेजा गया। इसके बाद जब मरीज वापस लौटा तो वहां मौजूद फार्मासिस्ट अजीत सिंह चौधरी ने फोटो कॉपी जमा करके मरीज को 2 दिन बाद आने के लिए बोल दिया। जांच करने पर पता चला कि ज्यादातर मरीजों के साथ यही हो रहा है।

दवाईयां स्टॉक में, फिर भी लोकल खरीद

बुजुर्ग को दी जाने वाली चर्म रोग की दवाएं IHMS पोर्टल पर स्टॉक में दिख रही थीं। एसएमएस के अलग-अलग डीडीसी काउंटरों पर 70 से ज्यादा यूनिट्स उपलब्ध थीं। फिर भी, मरीज को तुरंत दवा देने के बजाय दो दिन बाद आने के लिए कहा गया।

4 घंटे के अंदर खरीद करके देने का आदेश

एसएमएस प्रशासन का खुद का नियम है कि अगर स्टॉक खत्म हो, तो काउंटर 11 पर आने वाले मरीजों को 4 घंटे के अंदर लोकल स्तर से दवा खरीदकर दी जाए। इसके लिए पहले से टेंडर कर रेट कॉन्ट्रैक्ट फिक्स कर रखे हैं, ताकि दवाईयां खत्म होने पर दुकानदार से उन फिक्स किए गए रेट पर दवाईयां तुरंत मंगवाकर मरीज को दी जा सके।

मॉनिटरिंग की कमी, मरीजों की भी कोई सुनने वाला नहीं

सरकारी हॉस्पिटलों में पहले से ही दवाईयों की किल्लत से मरीज परेशान हैं। मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के तहत सरकारी स्तर पर दवाई खरीद करने वाली एजेंसी RMSCL पहले ही दवाईयों का पर्याप्त स्टॉक हॉस्पिटल में नहीं भेज पा रहा है। ऐसे में सैंकड प्ऑशन लोकल स्तर पर दवाई खरीद का सिस्टम डेवलप किया था ।

नीमराना उपखंड के कौलादपुर में विधायक ललित यादव के साथ भव्य होली का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । उपखंड के कौलादपुर गांव में मंगलवार को मुंडावर विधायक ललित यादव ने अपने निवास पर सैकड़ों क्षेत्रवासियों के साथ होली खेली। इस अवसर पर ढोल-नगाड़ों की थाप, गुलाल की खुशबू और रंगों की बौछार के बीच उत्साहपूर्ण माहौल देखा गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया, उन्हें साफा बांधा और गुलाल लगाया। विधायक ललित यादव ने उपस्थित जनसमूह को होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद और युवाओं का सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।विधायक ललित यादव ने अपने निवास ग्राम फौलादपुर में विधानसभा क्षेत्र से पहुंचे हजारों लोगों के साथ रंगों की होली खेली। इस दौरान पूरे परिसर में हर्षोल्लास और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। क्षेत्रवासियों ने विधायक को

फूलों की माला पहनाई, गुलाल लगाया, मिठाई खिलाई और साफा बांधकर सम्मान व्यक्त किया। विधायक ललित यादव ने भी सभी आगंतुकों के साथ आत्मीयता से होली खेलते हुए शुभकामनाएं दीं। रंग, गुलाल और ढोल-नगाड़ों के बीच यह आयोजन आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक बन गया। इस अवसर पर नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, नगर उपाध्यक्ष संजय यादव, श्रीनाथ टिंबर एंड प्लाईवुड के निर्देशक महावीर प्रसाद चर्खिया, एससी ब्लॉक अध्यक्ष गिर्राज सामरिया, मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, सचिव संदीप उमरावगढ़, जयपाल रोडवालिया, सचिव परमानंद सैनी, करण यादव, डॉ. शुभम कौशिक (सामाजिक कार्यकर्ता), रामजस झगडोलिया, कांग्रेस नेता अनिल वाल्मीकि, कर्मपाल चौहान, सोहनलाल वाल्मीकि, कैलाश ठेकेदार, सरपंच उमाशंकर, अंकित प्रधान, कृष्ण यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित, लोक कलाकारों ने दी धमाल के साथ लोक नृत्य की प्रस्तुतियां

अतिथियों का माल्यार्पण ,साफा पहनाकर किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के मुकुंदगढ़ रोड़ स्थित सियाराम जी बगीची में आज होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कस्बे में सर्व हितैषी व्यायाम शाला द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर किया गया। इस अवसर पर सर्व हितैषी व्यायाम शाला के सचिव पीतांबर मिश्रा की उपस्थिती में आयोजित समारोह में सीआई महेंद्र चावला मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष नरेश कुमार सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि सुरेश, पालडीवाला, संदीप शर्मा, मंडावा थाने के संजय कुमार,हेड कास्टेबल शकील मंडावा मंचासिन रहे। इस अवसर पर सियाराम जी बगीची के मुख्य पुजारी विष्णुदत्त जोशी, ब्रम्हदत्त जोशी के सानिध्य में रमेश कौशिक,हरिराम नरूका ने सर्व हितैषी व्यायाम शाला के अध्यक्ष सुरेश पालड़ीवाला, मुख्य अतिथि सीआई महेंद्र चावला, थानाधिकारी मुलायम सिंह,पालिकाध्यक्ष नरेश कुमार सोनी,लोक कलाकार बनवारी कुमावत, पवन कुमार सेन, गौ भक्त रविन्द्र शर्मा, बाल कलाकार बांसुरी वादक मानवी सोनी का माल्यार्पण ओर साफा ओढ़ाकर मन्दिर परिसर में सम्मान किया। कार्यक्रम में स्थानीय ढप मंडली के कलाकारों ने फाल्गुनी गीतो और धमालो के साथ नृत्य की प्रस्तुतियां

दी। इस अवसर परपवन कुमार सेन, चंद्रप्रकाश सेन, नरेंद्र सुरोलिया, नरेश सोनी ने लोक गीतों की प्रस्तुतियां दी। उल्लेखनीय हैं कि ये समारोह मंदिर के मुख्य पुजारी विष्णुदत्त जोशी की ओर से कस्बे में सर्व हितैषी व्यायाम शाला ओर पुलिस प्रशासन द्वारा होली पर्व ओर विश्व विख्यात ऐतिहासिक जुलूस के सफल आयोजन करवाने को लेकर किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल सैनी, मोहन सिंह यादव, परमेश्वर चेजारा, सत्यनारायण इन्दोरिया, सन्तकुमार चोपदार, पशुपति शर्मा, गणेश सोनी, रविन्द्र शर्मा, राजेंद्र सनोदिया, बाबू सेन,हरी सिंह नरुका,राजेश रंजीरोत, नरेन्द्र सुरोलिया, राजू यादव, सुभाष बावलिया, सज्जन सेन, बबलू शर्मा, सुभाष शर्मा शास्त्री, भंवर पाल सिंह, मुकेश यादव, गोबिन्द जोशी मूलचंद, बनवारीलाल कुमावत, रजत सुरोलिया, शंकर गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

राजेश दहिया ने मुख्यमंत्री के साथ खेली होली

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। जयपुर में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान राजेश दहिया ने मुख्यमंत्री को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भी सभी

प्रदेशवासियों को रंगों के पर्व की बधाई देते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। समारोह में विभिन्न जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।राजेश दहिया ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का पर्व है। ऐसे आयोजनों से आपसी संबंध मजबूत होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

इंजीनियर मुकेश कुमार सैनी का खान एवं भूविज्ञान विभाग में सर्वेयर के पद पर हुआ चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ निवासी रामदेव खडोलिया के पुत्र इंजीनियर मुकेश कुमार सैनी का खान एवं भूविज्ञान विभाग में सर्वेयर के पद पर चयन हुआ है। इंजीनियर मुकेश कुमार सैनी का खान एवं भूविज्ञान विभाग में चयन होने पर पारिवारिक सदस्यों, शुभचिंतकों, सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है । उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गुरूजनों व परिजनों को दिया है। इंजीनियर मुकेश कुमार सैनी ने माइनिंग ऑफिस झुंझुनूं में जोइनिंग की है।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक की अहम बैठक, महिला पुलिसकर्मियों को दिए गए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

लंबित मामलों के शीघ्र निपटान एवं पीड़िताओं को संवेदनशील सहायता पर जोर

महिला विरोधी अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैश के मीटिंग हॉल में जिले की महिला पुलिस इकाई के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिला विरोधी अपराधों पर अंकुश लगाना और जिले में महिला सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। बैठक में डीएसपी संजय, महिला एवं बाल संरक्षण अधिकारी रेखा अग्रवाल, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा रानी, महिला सुरक्षा प्रभारी निरीक्षक मंजू रानी और सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार सहित जिले भर की महिला पुलिसकर्मी उपस्थित रहीं।

साक्ष्य आधारित कार्रवाई एवं त्वरित न्याय पर बल

पुलिस अधीक्षक ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला विरोधी अपराधों के मामलों में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए तथा ठोस साक्ष्य जुटाकर अपराधियों को कानून के दायरे में लाया जाए। जैन ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है ताकि वे संवेदनशील मामलों को बेहतर तरीके से संभाल सकें और पीड़ित महिलाओं को मैत्रीपूर्ण एवं सहानुभूतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध करा सकें।

निगरानी तंत्र को प्रभावी बनाने के निर्देश

पर्यवेक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिले में निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतत नजर रखी जाए। साथ ही थाना स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने और पीड़िताओं को काउंसलिंग एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

जागरूकता अभियान से महिला सशक्तिकरण

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज में व्यापक जागरूकता आवश्यक है। इस दिशा में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी विकल्पों और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि इन अभियानों को स्कूलों, कॉलेजों, महिला मंडलों और पंचायत स्तर तक पहुंचाया जाए।

लंबित प्रकरणों की समीक्षा

बैठक में महिला अपराधों से संबंधित लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि इन मामलों को न्यायालय में समयबद्ध तरीके से प्रस्तुत किया जाए ताकि पीड़िताओं को शीघ्र न्याय मिल सकें।

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

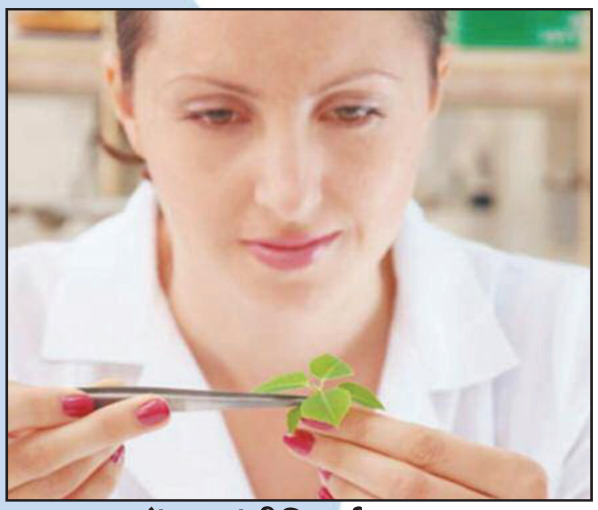

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वाचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यतः हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रेवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।'

ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सविर्सेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

डोलची की छपाक में गूंजा शौर्य: बल्लू शहीद की स्मृति में पावटा में देखने को मिला 500 साल पुरानी 'खूनी होली' का अनूठा नजारा

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । फाल्गुन के रंगों और उमंग के बीच महवा उपखंड के पावटा गांव में होली का एक ऐसा अनोखा रूप देखने को मिला, जिसने परंपरा, शौर्य और लोकआस्था का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर दिया। गांव के हदीरा चौक में बल्लू शहीद की स्मृति में करीब पांच सौ वर्षों से लगातार खेली जा रही परंपरागत डोलची होली इस बार भी पूरे जोश और उल्लास के साथ खेली गई। होली की दूज पर आयोजित इस अनूठे आयोजन में रणभूमि जैसा रोमांचक माहौल नजर आया, जहां नंगे बदन युवा, बुजुर्ग और बच्चे हाथों में चमड़े की डोलची लेकर एक-दूसरे पर पानी के तीखे प्रहार करते दिखाई दिए। इस अद्भुत परंपरा को देखने के लिए आसपास के गांवों के साथ-साथ दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में लोग हदीरा मैदान में उमड़ पड़े और ग्रामीण संस्कृति के इस अनोखे दृश्य के साक्षी बने। हदीरा चौक में जैसे ही अतिथियों का संकेत मिला, दो अलग-अलग धड़ों में बंटी युवाओं की टोलियां आमने-सामने आ खड़ी हुईं और देखते ही देखते पूरा मैदान रणभूमि में बदल गया। युवाओं के हाथों में चमड़े की डोलची थी, जिसमें भरा पानी जब पूरी ताकत से सामने वाले पर छोड़ा जाता तो उसकी तेज छपाक की आवाज दूर तक सुनाई देती। पानी के तीखे प्रहार से कई युवाओं की पीठ सुर्ख लाल हो जाती, लेकिन इसके बावजूद उत्साह कम नहीं होता और सामने वाले युवक दुगुने जोश से पलटवार करता। यह दृश्य प्रतीत हो रहा था मानो दो सेनाएं युद्धभूमि में आमने-सामने डटी हों और वीरता का प्रदर्शन कर रही हों। महवा उपखंड मुख्यालय से करीब दस किलोमीटर दूर स्थित पावटा गांव के हदीरा मैदान में खेली जाने वाली यह डोलची होली अपने अनूठे स्वरूप के कारण पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। यहां पानी से भरी चमड़े की डोलची से नंगे बदन पर की जाने वाली बौछार ही इस परंपरा की मुख्य विशेषता है। परंपरा के अनुसार सुबह हवन और पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होती है, इसके बाद गांव के भैरूजी मंदिर पर जाकर होली खेलने का निमंत्रण दिया जाता है। इसके बाद दगगास और पीलवाड़ गोत्र के युवाओं की टोलियां पूरे उत्साह के साथ हदीरा मैदान में आमने-सामने उतरती हैं और डोलची होली का रोमांचक दृश्य शुरू हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार इस परंपरा की शुरुआत करीब पांच सौ वर्ष पहले हुई थी। बुजुर्ग बताते हैं कि प्राचीन समय में किसी विवाद के दौरान गांव के वीर बल्लू नामक व्यक्ति का सिर धड़ से अलग हो गया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने दुश्मनों से लड़ाई जारी रखी और वीरगति प्राप्त की। उसी अद्भुत वीरता की स्मृति में गांव में हर वर्ष होली दूज के दिन डोलची होली खेली जाती है, जो समय के साथ परंपरा और लोकआस्था का प्रतीक बन गई है। ग्रामीणों की मान्यता है कि एक बार किसी कारणवश गांव में यह डोलची होली नहीं खेली गई थी, जिसके बाद गांव में अकाल और संकट का दौर आ गया तथा बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने बल्लू शहीद के स्थान पर जाकर मान-मनुहार की और हर वर्ष यह परंपरा निभाने का संकल्प लिया। तब से लेकर आज तक यह परंपरा लगातार जारी है और हर साल होली के अवसर पर पावटा का हदीरा मैदान वीरता, आस्था और लोकपरंपरा के अद्भुत संगम का साक्षी बनता है। ग्रामीण संस्कृति से जुड़ी यह अनूठी डोलची होली अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि पावटा गांव की पहचान बन चुकी है। रंगों के इस उत्सव में जहां एक ओर परंपरा की झलक दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर सामुदायिक एकता और लोकआस्था का जीवंत स्वरूप भी नजर आता है। हर वर्ष होली की दूज पर यहां उमड़ने वाली भीड़ इस बात की गवाही देती है कि सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी ग्रामीण जनजीवन में उतनी ही जीवंत और प्रभावशाली बनी हुई है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विवेकानन्द स्कूल की छात्राओं व कोच को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मंड्रेल्ला रोड स्थित विवेकानन्द पब्लिक सेकण्डरी स्कूल , चिड़ावा की छात्रा उदीप्ति सैनी, हीया शर्मा व कोच लीना कुमारी को कोटा के श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम के सेल्फ डिफेंस मलखंब खेलो इंडिया सेंटर पर 1 मार्च 2026 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजस्थान खेल गौरव पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय के कोच विक्रम सिंह ने बताया की विवेकानन्द पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, चिड़ावा की छात्रा उदीप्ति सैनी ने गतका में राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-14 टीम में रजत, व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य तथा इंडो किक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। हीया शर्मा ने गतका राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टीम स्पर्धा में रजत एवं इंडो किक में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कोच लीना कुमारी ने सीनियर गतका चैंपियनशिप में दो रजत, अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट में रजत पदक प्राप्त किया है तथा वे बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान टीम की मैनेजर भी रह चुकी हैं इस विशेष उपलब्धि पर आयोजन समिति के कन्वीनर गोपाल सिसोदिया ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके घर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। भारतीय खेल विकास परिषद के पदाधिकारियों अध्यक्ष भुनेश सैनी, सचिव विक्रम सिंह विद्यालय निदेशक शिवचन्द सैनी, सचिव कोशी सैनी, प्रिन्सिपल विनोद कुमार सैनी व समस्त स्टाफ ने सम्मानित होने पर खिलाड़ियों व कोच को शुभकामनाएं दी हैं।

लोहिया स्कूल में एमटीएस के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहिया शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित लोहिया स्कूल में प्रति माह आयोजित होने वाली मंथली टेस्ट सीरीज (एमटीएस) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। फरवरी माह में आयोजित इस टेस्ट सीरीज में कुल 95 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संस्था द्वारा प्रत्येक माह की प्रथम तारीख को एमटीएस में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। संस्था प्रबंधन ने बताया कि विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए यह पहल की गई है, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। हर माह प्रथम आने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस अवसर पर लोहिया इंग्लिश मीडियम स्कूल से यीशु, अंशु, मोनिका, वर्षा, जीविका, कुसुम, प्रिया, निहारिका, निक्की, निक्कू बराला, रिया, नव्या, गरिमा चौधरी, दिव्या वर्मा, अन्वी, आर्यन, टीना, दक्ष, मोहित, प्रियांशु, गौरव, तनु, रौनक, पलक, नीतिशा, सावनी, तेजपाल, दिव्यांशी, भाग्य, अनाया, मानवी, मयंक, पीयूष, नवीन, प्रज्ञा, हर्षिता, सानवीं, आराध्या, गर्वित, भविष्य, कल्पी, मिथुल निक्कू, सौरभ कुमार, तमन्ना, शगुन, जयंत, भूमि, हिमांशी, अयांश, लवी, माधव, तक्ष, भव्य, समर्थ, जिगर, केशव, आशिका, लक्ष्य, प्रांजल, नकुल सहित अन्य विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लोहिया कैरियर इंस्टीट्यूट में 11वीं कक्षा के नीट वर्ग से ज्योति तथा जेईई वर्ग से हिमांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार लोहिया हिंदी मीडियम स्कूल से मिताली जांगिड़, साक्षी, दीपिका, दीपक, देवांशु, ईशा, नीलम, रितिका, खुशी, यशवीर सिंह, तन्वी, आकांक्षा, तनु, स्वरूप कंवर, डिंपल लमोरिया, कोमल, रिद्धि, दिव्या, प्रशांत सिंह, प्रीत, आकाश यादव, लोकेश, चेतना गुरावा और विधिता ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष राम सिंह नेहरा, निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, प्रधानाचार्य प्रमिला झाझरिया, गुलजार खान, पूरणमल गजराज सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चौमूं गांधी चौक में महिला सम्मान समारोह को लेकर बैठक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर के गांधी चौक, बुनकर मौहल्ले में बुधवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के तत्वावधान में आगामी 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाले महिला का सम्मान समारोह को लेकर समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में समाज के लोगों की बैठक हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली समाज की महिलाओं के साथ ही समारोह में शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही अधिकाधिक संख्या में महिलाओं को समारोह में पहुंचने के लिए आह्वान किया। महिलाओं ने अधिक से अधिक संख्या में समारोह में पहुंचने के लिए आश्वासन दिया। इसके पश्चात समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर गोविन्दगढ़ पंचायत समिति सदस्य व समारोह के सह संयोजक राधेश्याम खारड़िया, रामकरण गोठवाल, नन्दलाल सौरेला, हेमराज गोठवाल सहित महिलाएं उपस्थित रही।

नानवास में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित, समरसता और संस्कारों का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना

बुहाना खंड के कुहाड्यास मंडल में ग्राम नानवास स्थित श्री हनुमान मंदिर में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ सम्मेलन में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदीप कुमार द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा के पाठ से करवाई गई। सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने भक्ति और श्रद्धा के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता खंड कार्यवाह विनोद कुमार ने समाज को समरस और एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार देने में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि घर में अच्छे संस्कार दिए जाएं तो समाज को सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक मिलते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व के शिखर पर पहुंचाने के लिए प्रत्येक नागरिक को तन, मन और धन से राष्ट्र के प्रति समर्पित होना होगा। विनोद कुमार ने पंच परिवर्तन के अंतर्गत कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी अपनाने, नागरिक कर्तव्यों के पालन तथा पर्यावरण संरक्षण पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें जातिगत भेदभाव को भुलाकर समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए तथा स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने का आह्वान किया। सम्मेलन में बढ़ते जनसंख्या असंतुलन पर भी चिंता व्यक्त की गई और तीन संतान के विषय पर विचार करने की आवश्यकता बताई गई। साथ ही प्रत्येक शुभ कार्य पर एक पेड़ लगाने का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोमवीर ने की। इस अवसर पर बौद्धिक प्रमुख ललित भी उपस्थित रहे। अंत में आयोजन समिति की ओर से सुशील ने उपस्थित सभी गणमान्यजन और ग्रामीणों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

शुद्धता, गुणवत्ता व विश्वसनीयता के लिए देश विदेश में जानी जाती हैं गुरूकृपा मिष्ठान भंडार की मिठाइयां

5 दशक से चिरंजी हलवाई की बनी मिठाईयों को बड़े चाव से आर्डर देकर प्रवासी चख रहे हैं मिठास का स्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । सच्ची लगन, कड़ी मेहनत, काम का जुनून और आत्मविश्वास यदि व्यक्ति में हो तो विपरीत परिस्थितियों को भी अनुकूल बनाई जा सकती है । कुछ इसी तरह की ही कहानी हैं चिरंजी हलवाई की। बचपन संघर्ष और अभावों में बिताने वाले चिरंजी हलवाई ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जो उम्र खेलने कूदने और पढ़ने की हो उस उम्र में उन्हें काम करना और सिखना होगा। अल्प आयु में ही स्कूल जाने की बजाय मिठाई का काम चिरंजीलाल लाल ध्यावडा के पास सिखा तथा मात्र 16 वर्ष की अल्प आयु में ही 200 रूपए से 1978 में अपना स्वयं का मिठाई का काम शुरू किया। 1962 में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे चिरंजी हलवाई ने अपने अग्रज राधेश्याम, हरिप्रसाद व विश्वनाथ के मार्गदर्शन व दिशा-निर्देशन में शिव मिष्ठान भंडार के नाम से मिठाई की दुकान शुरू की । उस दौर में मिठाई के कारोबार में कडी चुनौतियों का सामना करना पड़ा । लेकिन चुनौतियों का सामना किया और अपनी मेहनत, लगन और ईश्वर में अटूट आस्था के चलते अपने काम में जूटे रहे धीरे-धीरे अपने व्यवहार, मिठाई की क्वालिटी, शुद्धता और विश्वसनीयता के चलते ग्राहको के बीच अपनी गहरी पैठ बनाई। कम उम्र ही काम की जिम्मेदारी ने परिपक्व बना दिया। इस दौरान सवामणी,शादी व समारोह के आर्डर मिलने शुरू हुए तो उसके बाद कभी पीछे मुड़कर देखना नहीं पडा। हंसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी चिरंजी हलवाई परिस्थितिवश खूद नहीं पढ पाये इसके बावजूद भी अपने कारोबार के हिसाब किताब में पूरी तरह निपुण है। व्यापारिक व्यस्तता के बीच सेवा कार्यों में भी अपना सहयोग देने वाले चिरंजी हलवाई महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के भी हित चिंतक व सहयोगी है तथा छात्रावास के निर्माण और विकास में अपना आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए अनवरत सहयोग का विश्वास दिलाया है। चिरंजीलाल के लिए शुरुआती दौर में स्वयं का व्यापार करना कठिन और असंभव सा था लेकिन ईश्वर में आस्था और खूद पर भरोसा होने के कारण सफलता के पायदान पर पहुंच गए। हाल ही में अपना नया प्रतिष्ठान गुरूकृपा मिष्ठान भंडार के नाम से शुरू किया है ।जो स्वादिष्ट, ताजा, शुद्ध व गुणवत्ता वाली नमकीन और मिठाई के लिए जानी जाती हैं। उक्त प्रतिष्ठान पर बनी विभिन्न तरह की मिठाइयों देश विदेश में अपनी विशेष पहचान बनाएं हुए तथा मुम्बई,दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद सूरत आदि शहरों में रहने वाले प्रवासी सवामणी व अन्य अवसरों पर आर्डर देकर चिरंजी हलवाई के हाथों से बनी मिठाइयां बडे चाव के खाते और अपने मिलने वाले, परिचितों व रिश्तेदारों को भी खिलाने के लिए भेजते हैं । प्रवासियों का मानना है कि गुरूकृपा मिष्ठान भंडार पर चिरंजीलाल हलवाई की मिठाइयों में ताजगी, शुद्धता व गुणवत्ता में शेखावाटी अंचल में एक विशेष पहचान कायम की हुई है। चिरंजी हलवाई के हाथों बनी मिठाई की डिमांड अक्सर विदेशो में रहने वाले शेखावाटी के लोग व विभिन्न प्रदेशों में रहने वाले प्रवासियों को रहती है । प्रवासी लोग चिरंजी हलवाई की मिठाइयों की ही मिठास के बड़े शौकीन भी हैं ।इनके सुपुत्र युवा सामाजिक कार्यकर्ता के साथ साथ श्री श्रद्धा नाथजी महाराज के अनन्य सेवक व भक्त हैं तथा पंचायत समिति में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं।

एलबीएस इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा गुंजन स्वामी को मिला इंस्पायर अवार्ड

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पचेरी कलां में संचालित एलबीएस इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा 9वीं की छात्रा गुंजन स्वामी पुत्री दिनेश कुमार स्वामी को इंस्पायर अवार्ड प्राप्त हुआ है। छात्रा की इस उपलब्धि से विद्यालय व क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय के निदेशक सुरेश कुमार जांगिड़ व प्रबंधक निदेशक अतुल जांगिड़ ने बताया कि गुंजन स्वामी की यह सफलता उसकी मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नवाचार और वैज्ञानिक सोच के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।विद्यालय परिवार ने छात्रा को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़ में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सभा आयोजित होगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेन्द्रगढ़।

राष्ट्रीय बौद्ध महासभा व सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन, नारनौल की महिला विंग की जिला संयोजक पूनम सिंह बौद्ध ने प्रेस के नाम जारी बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे महेंद्रगढ़ स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में महिला सभा का आयोजन किया जाएगा।पूनम सिंह बौद्ध ने कहा कि देश और दुनिया तेजी से विकास कर रही है, जिसमें महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इसके बावजूद आज भी महिलाओं को उत्पीड़न और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। समाज के लगभग हर क्षेत्र में महिलाएं शोषण और असमानता की शिकार हैं तथा कार्यस्थलों पर भी उनके साथ उत्पीड़न की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों, मीडिया और अखबारों में महिलाओं की अर्धनग्न तस्वीरों का प्रचार-प्रसार कर उन्हें उपभोग की वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों में वृद्धि हो रही है। दूध पीती बच्ची से लेकर वृद्ध महिलाओं तक कोई भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भी विभिन्न विभागों में महिलाओं से कम वेतन पर काम करवाकर उनका शोषण कर रही है। आशा वर्कर और मिड-डे मील कुक से बेहद कम मानदेय पर कार्य लिया जा रहा है, जो महिलाओं की गरिमा और अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस महिला सभा में अधिक से अधिक महिलाओं और जागरूक नागरिकों से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

यूडीएच मंत्री मैं झाबर सिंह खर्रा पुस्तक का भारणी में हुआ विमोचन

संपादक विवेकानंद शर्मा व प्रकाशक गोविंदम श्रीमाधोपुर की 142 पेज की पुस्तक मैं झाबर सिंह खर्रा हुई प्रकाशित

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर।

यूडीएच मंत्री व विधायक के आवास पर संपादक विवेकानंद शर्मा व प्रकाशक श्री गोविंदम श्रीमाधोपुर की 142 पेज की पुस्तक मैं झाबर सिंह खर्रा का विमोचन रविवार को हुआ। पुस्तक का विमोचन यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षाविद शिवकुमार जोशी, पुस्तक प्रकाशक गोविंदम के सुरेश कुड़ी, पुस्तक के संपादक विवेकानंद शर्मा व संवाद सेतु के दिलीप शर्मा , श्रवण चौधरी मौजूद रहे।संपादक विवेकानंद शर्मा ने कहा कि पुस्तक में खर्रा के जीवन से जुड़े विभिन्न पक्षों के साथ-साथ सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में उनके योगदान को रेखांकित किया गया है। पुस्तक के प्रकाशक गोविन्दम् के सुरेश कुड़ी ने कहा नेताओं की जीवनी पर आधारित पुस्तकें उनके संघर्ष, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता को समझने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। ये पुस्तकें केवल घटनाओं का विवरण नहीं देती, बल्कि मूल्यों, नैतिकता और विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की कला सिखाती हैं। संवाद सेतु के दिलीप शर्मा ने कहा संपादक विवेकानंद व प्रकाशक ने धैर्य और सूक्ष्म दृष्टि से एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के कृतित्व को जनता के सामने रखा है। पुस्तक में पंडित नागरमल लोकनाथका गुरुजी का आलेख खर्रा परिवार की प्रत्यक्ष अनुभूति व सहपाठी सत्यनारायण खाण्डल की कलम से गरीब को गणेश मानने वाले जननेता समेत तीन दर्जन से अधिक आलेख व छायाचित्रो के झरोखे से खर्रा परिवार की जीवन यात्रा को बखूबी दर्शाया गया है।

मुख्यमंत्री हाउस में गूंजी शेखावाटी की बांसुरी, घनश्याम इंदौरिया की प्रस्तुति पर झूमे जनप्रतिनिधि

फागोत्सव में घनश्याम इंदौरिया की बांसुरी ने बांधा समां, मुख्यमंत्री हाउस में थिरके अधिकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी के सुप्रसिद्ध युवा लोक कलाकार लक्ष्मणगढ़ के घनश्याम इंदौरिया की बांसुरी की मधुर आवाज मुख्यमंत्री हाउस में सुनी गई। मुख्यमंत्री हाउस में बुधवार को सुबह आयोजित हुए फागोत्सव में लक्षमनगढ के घनश्याम इंदौरिया की बांसुरी की गूंजीं मधूर आवाज ने ऐसी शमां बांधीं की वहां मौजूद जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी फाग गीतों पर झूमने लगे। मुख्यमंत्री हाउस पर आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में गोवत्स ढप मंडल फतेहपुर ने जहां ढप नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी वहीं इंदौरिया ने अपनी बांसुरी की मधुर आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मंत्री, सांसद,विधायक, प्रशासनिक अधिकारी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनों को होली की शुभकामनाएं दी तथा शेखावाटी के कलाकारों की ओर से दी गई प्रस्तुति की सराहना की।

भीम प्रज्ञा कविता

अजेया

रसोई की दीवारों और पल्लू की छाँव से परे,
एक ब्रह्मांड है तुम्हारे भीतर, जो उड़ने की जिद करे।
इल्जामों की कीचड़ तुम पर टिक न पाएगी,
जब तुम्हारी काबिलियत खुद अपनी गवाही सुनाएगी।

किसी के साये में चार दिन की चमक मत ढूंढो,
अपनी रोशनी बनकर अंधेरों का गुरूर तोड़ो।
दुनिया के लिए तो बहुत संवर चुकी हो तुम,
अब खुद की खातिर खुद से ही रिश्ता जोड़ो।

आँसुओं के नमक से अपनी हस्ती मत सींचो,
तुम मोम की मूरत नहीं, फौलाद की लकीर बनो।
किसी की चाहत का महज़ खिलौना बनना मज़बूर नहीं,
तुम वो नूर हो, जिसका वजूद किसी का मोहताज नहीं।

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

धुलंडी का ऐतिहासिक जुलूस परंपरागत उल्लास और आपसी सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक संपन्न

जुलूस की अगुवाई पंडित लक्ष्मीधर शुक्ल की तस्वीर और धर्म ध्वज के साथ की गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला शेखावाटी अंचल के मंडावा कस्बे में आदर्श होली और धुलंडी का 125 वर्षों पुराना ऐतिहासिक जुलूस मंगलवार को परंपरागत उल्लास और आपसी सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। फाल्गुनी उमंग, लोक संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता से सजा यह जुलूस मंडावा की विशिष्ट पहचान बन चुका है। जुलूस की अगुवाई पंडित लक्ष्मीधर शुक्ल की तस्वीर और धर्म ध्वज के साथ की गई। सर्व हितैषी व्यायाम शाला के सचिव पीताम्बर

मिश्रा बालकिशन भाटीवाडा सुरेश पालड़ीवाला चंद्र प्रकाश सेन पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी ने बताया कि फतेहपुर स्टैंड से ढोल ताशे ओर गुलाल खेलकर रवाना हुआ जुलूस कस्बे के विभिन्न मोहल्लों से होता हुआ गढ़ परिसर पहुंचा, जहां राजघराने की पारंपरिक रूप से गुलाल खेलने के साथ इसका समापन हुआ। पूरे मार्ग पर हजारों की संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल रहीं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंडावा थानाधिकारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में मंडावा पुलिस के जवानों सहित अतिरिक्त पुलिस जाब्ता जगह जगह तैनात रहा। जुलूस में पक्के रंग, अश्लीलता, हथियार, लाठी-डंडों ओर वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध रहा जिसको लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह चाक-चौबंद नजर आए, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस जुलूस की खासियत यह है कि इसे देश के उन विरले आयोजनों में माना जाता है, जहां महिलाएं स्वतंत्र रूप से भाग लेकर लोक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। नए पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं फाल्गुनी लोकगीतों और नृत्यों का आनंद लेती नजर आईं।ढोल-ताशों और ढप मंडलियों ने पारंपरिक फाल्गुनी गीतों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। जुलूस में फ्रांस, इटली, जर्मनी और इंग्लैंड सहित कई देशों से आए विदेशी पर्यटकों ने भी अबीर-गुलाल से होली खेलकर इस रंगोत्सव का भरपूर आनंद लिया। सद्भाव, अनुशासन और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ यह ऐतिहासिक धुलंडी जुलूस मंडावा की सामाजिक एकता और परंपरा का जीवंत प्रतीक बनकर एक बार फिर अपनी छाप छोड़ गया।

आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

आंगन बाड़ी ग्राम पंचायत बलारां में बेटी जन्मोत्सव,नारी चौपाल एवं सजग लाडो अभियान कार्यक्रम मनाया गया। ग्राम साथिन मंजू जोशी ने बताया बताया कि इस कार्यक्रम में छोटे बच्चों का जन्म दिवस केक काटकर मनाया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता आशा सहयोगिनी सहायिका तथा गांव के सरपंच ग्राम विकास अधिकारी एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार दिवंगत गोपाल डस्सा की 13वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार दिवंगत गोपाल डस्सा की 13वीं पुण्यतिथि पर चिड़ावा कस्बे में पिलानी-सूरजगढ़ बाईपास स्थित डीएसएम अस्पताल में रक्तदान कर श्रद्धांजलि दी गई। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. देवेन्द्र सिंह चाहर ने गोपाल डस्सा को याद करते हुए उनके जीवन को प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। पत्रकार कृष्ण ढस्सा व आशीष ढस्सा की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में रक्तदान कर दिवंगत आत्मा को नमन किया।

होली का त्यौहार झुग्गी झोपड़ीयो में रहने वाले बच्चों व महिलाओं को मिठाई व गुलाल के पैकेट बाटकर मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा सामाजिक सरोकारों की भूमिका निभाते हुए सराहनीय पहल की है हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली का त्यौहार लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सिंघाना द्वारा झुग्गी झोपड़िया में रहने वाले बच्चों महिलाओ व पुरुषों को मिठाई व गुलाल के पैकेट बाटकर उनके साथ त्योहार को मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर यादव ठेकेदार रहे वहीं विशिष्ट अतिथि मुन्ना राजोरा रहे ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने बताया होली के त्योहार पर गुजरवास की झुग्गी झोपड़ियो में अलग-अलग जगह पर रह रहे परिवारों के बीच जाकर मिठाई बाटकर व उनको गुलाल के पैकेट भी बाटे गए जिससे रंगों का त्यौहार भी हंसी खुशी मना सके इससे पहले भी दीपावली हो या अन्य कोई भी त्यौहार हो इन जरूरतमंद परिवारों के बीच में पहुंचकर त्योहार मनाना ही लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का मकसद है साथ ही लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सरकारी योजनाओं को भी जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहा है।

मंडावा पुलिस थाने में पुलिस जवानों ने मनाई होली

गुलाल लगाकर दी होली की शुभकामनाएं, डीजे की धुन पर जमकर किया डांस

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आमजन को सुरक्षा मुहैया करवाने वाली मंडावा पुलिस होली और धुलंडी पर्व पर लगातार ड्यूटी निभाने के बाद बुधवार को मंडावा थाना पुलिस परिसर में रंगों और उत्साह का एक अनोखा नजारा देखने को मिला। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने मिलकर होली खेली और डीजे की धुन पर जमकर डांस किया। इस मौके पर सीआई रामनारायण चोयल, मुलायम सिंह ने जवानों के साथ रंगोत्सव में शामिल हो कर जमकर होली खेली। कार्यक्रम की शुरुआत में मंडावा थाने के सीआई रामनारायण चोयल द्वारा एक-दूसरे को गुलाल लगाकर कार्यक्रम शुरू किया।अधिकारियों ओर जवानों ने गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं और बाद में डीजे की धुन पर साथ में डांस भी किया। माहौल इतना उत्साहपूर्ण था कि जवानों ने

गुलाल लगाकर खेलते हुए डीजे पर जमकर नाचना शुरू कर दिया। इस दौरान सीआई रामनारायण चोयल, थानाधिकारी मुलायम सिंह और बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। ढोल और पारंपरिक गीतों की धुन पर अधिकारियों और जवानों ने ठुमके लगाए।

हर्षोल्लास के साथ मंडावा उपखंड स्तर मनाया गया होली पर्व

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । फाल्गुन मास में भक्त प्रहलाद के ईश्वर के प्रति प्रेम के प्रतीक रूप में हिंदू धर्म में मनाए जाने वाला होली पर्व आज बड़े धूमधाम ओर उत्साह के साथ कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में मनाया गया। पर्व को लेकर शुभ मूहर्त के अनुसार देर रात्रि 2 बजे मुख्य रूप से गढ़ परिसर, वार्ड 2 स्थित सम्राट सिद्धि गणेश मंदिर, माजी साहब का कुआं सहित कई अन्य स्थानों पर सोमवार की रात्रि को भद्रा पश्चात पंडित लालू राम के सानिध्य में मुख्य यजमान पवन कुमार सैनी , समिति अध्यक्ष सुशील कुमार लुहारूवाला, संत कुमार शर्मा, बनवारी लाल, विद्याधर सैनी ने विधिवत पूजन कर भक्त प्रहलाद के जयकारों के साथ होलीका दहन किया गया। इस अवसर पर नव विवाहिताओं, महिलाओं और पुरुषों ने होलिका माता की पूजा कर परिक्रमा कर सुख समृद्धि की कमाना की। उल्लेखनीय है

कि तिवाड़ी होली दहन देखने के बाद ही महिलाएं व्रत कथा सुनकर ही पर्व को शुरू करती हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लेते हुए अपनी रीति रिवाज को पूर्ण किया। पूजा के बाद प्रहलाद भक्त के जयकारों के बाद होलिका दहन किया गया।

विद्यार्थियों भ्रमण कर समझी सीवरेज शोधन की प्रक्रिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के निर्देशन में आज बाल भारती विद्या निकेतन स्कूल मंडावा के छात्र-छात्राओ ने सीवरेज परियोजना के तहत निर्मित परिसंपत्तियों के कार्य स्थल सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, बिसाऊ रोड़ पर एक्सपोजर विजिट कर सीवरेज शोधन की प्रक्रिया का जाना। इस मौके पर प्लांट ऑपरेटर गजेंद्र चोपदार ने विद्यार्थियों को सीवरेज शोधन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी। वहीं लैब केमिस्ट्री हेमराज सैनी और साइट इंजीनियर रोविन शर्मा ने विद्यार्थियों को सीवरेज कनेक्शन की प्रक्रिया से लेकर पानी के शोधन की प्रक्रिया को मानचित्र के माध्यम से विस्तार से बताया। कैप रुडीप के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला ने विद्यार्थियों को बताया कि सभी को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर एक जागरूक नागरिक का दायित्व बनता है

कि ये आमजन को स्वच्छता के प्रति जागृत करे। उन्होंने आग्रह करते हुए बताया कि सीवरेज चैंबर के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करे और ना ही उसमें किसी प्रकार का ठोस कचरा प्रवाहित करे अन्यथा सीवर लाइन चौक हो सकती है। इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों की ओर से प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कई सवाल जवाब भी किये। उन्होंने डायरेक्टर राजेंद्र सनोदिया व स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में एसओटी सदस्य संदीप स्वामी सहित विद्यालय स्टाफ ने विजिट को सफल बनाने में भागीदारी निभाई।

ग्रहण के फेर में उलझी धुलण्डी, दो दिन बंटा रंगों का पर्व, मंडावर में फीकी रही धुलंडी की रौनक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । रंगों और उमंग का प्रतीक धुलण्डी का पर्व इस बार मंडावर शहर में ग्रहण और तिथि के फेर में उलझा नजर आया। ज्योतिषीय गणनाओं और सूतक काल को लेकर बने संशय के कारण धुलण्डी का त्योहार दो दिनों में बंट गया, जिससे हर साल दिखाई देने वाला उत्साह इस बार कुछ फीका रहा। शहर के बाजारों और गढ़ रोड, पाखर रोड, बस स्टैण्ड रोड, अस्पताल रोड, रिलायंस टावर कॉलोनी, बड़ी कॉलोनी, भायली चौक, केशव नगर, आदर्श कॉलोनी, सूर्य नगर, बंगाली गली और अजय नगर सहित आसपास के मोहल्लों में पिछले वर्षों की तुलना में रंगों की चहल-पहल कम दिखाई दी। ग्रहण और मुहूर्त को लेकर लोगों में असमंजस का माहौल रहा। ग्रामीण इलाकों के कुछ हिस्सों में मंगलवार को ही धुलण्डी मना ली गई, जबकि शहर में बुधवार को रंग-गुलाल खेला गया। दो दिनों में त्योहार बंट जाने के कारण सड़कों पर निकलने वाली पारंपरिक टोलियां और सामूहिक होली का उल्लास कम दिखाई दिया, जो सामान्य तौर पर धुलण्डी की सबसे खास पहचान होती है। बड़े-बुजुर्ग जहां ग्रहण और धार्मिक मान्यताओं को लेकर सतर्क नजर आए, वहीं युवाओं में भी इस बार पहले जैसा जोश नहीं दिखा। इस बीच बोर्ड परीक्षाओं के दौर ने भी त्योहार की रौनक पर असर डाला। बुधवार को बारहवीं और आठवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होते ही परीक्षा केंद्रों के बाहर अलग ही दृश्य देखने को मिला। परीक्षा समाप्त होने की घंटी बजते ही छात्र-छात्राएं एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते नजर आए। विद्यार्थियों का कहना था कि पढ़ाई और परीक्षा के दबाव के बीच भी वे होली के रंगों से खुद को दूर नहीं रखना चाहते थे। व्यापारियों

का कहना है कि इस बार धुलण्डी के दो दिन बंट जाने और ग्रहण की आशंका के कारण बाजारों में रंग, गुलाल और पिचकारियों की बिक्री पर भी असर पड़ा। कई लोग घरों से बाहर निकलने से बचते रहे। हालांकि कुछ कॉलोनियों और मोहल्लों में डीजे व संगीत के कार्यक्रमों के साथ युवाओं ने रंगों का आनंद जरूर लिया, लेकिन कुल मिलाकर इस बार की धुलण्डी पिछले वर्षों की तुलना में औसत और कुछ फीकी ही दिखाई दी। वहीं धुलण्डी के मौके पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंडावर थाना पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। शराब पीकर उत्पात मचाने या राहगीरों तथा महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देशों के तहत पुलिस और होमगार्ड के जवान दिनभर शहर और आसपास के क्षेत्रों में गश्त करते रहे। शहर के विभिन्न चौराहों, गलियों और प्रमुख मार्गों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई। इस तरह मंडावर शहर और आसपास के क्षेत्रों में इस बार धुलण्डी का पर्व दो दिनों में मनाया गया, जहां रंगों की मिठास तो रही, लेकिन ग्रहण और तिथियों के फेर के कारण होली की परंपरागत रौनक कुछ फीकी सी नजर आई।

रंग-गुलाल के बीच उमड़ा जनसैलाब

विधायक राजेंद्र के साथ थिरके कार्यकर्ता: महवा में होली मिलन समारोह बना जनएकता का उत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । धुलंडी के पावन अवसर पर महवा उपखंड मुख्यालय के मंडावर रोड स्थित शुभ वाटिका मैरिज होम में बुधवार को आयोजित विधायक राजेंद्र मीणा के होली मिलन समारोह ने ऐतिहासिक रूप ले लिया। रंग, उमंग और आत्मीयता से सराबोर इस आयोजन में महवा विधानसभा क्षेत्र के शहरों, गांवों और ढाणियों से बड़ी संख्या में लोग उमड़े, जिससे पूरा परिसर जनसमूह और उत्साह से गुलजार नजर आया। शुभ वाटिका में आयोजित इस होली स्नेह मिलन समारोह में विधायक राजेंद्र मीणा ने क्षेत्र की देवतुल्य जनता जनार्दन के बीच पहुंचकर फूलों और रंगों के साथ होली खेली तथा सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप, पारंपरिक लोकधुनों और डीजे की गूंज के बीच विधायक राजेंद्र मीणा का उत्साहपूर्ण नृत्य आकर्षण का केंद्र बना रहा। विधायक को अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ रंगों की मस्ती में झूमते देख पूरा पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। होली के इस रंगीन माहौल में युवाओं का जोश, बुजुर्गों का स्नेह और आमजन की भागीदारी ने समारोह को जनसैलाब में बदल दिया। होली स्नेह मिलन समारोह में महवा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न शहरों,

गांवों और ढाणियों से आए सभी जाति, वर्ग और धर्म के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के क्षेत्रीय अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। विधायक राजेंद्र मीणा ने उपस्थित जनसमूह के बीच पहुंचकर एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। पूरे कार्यक्रम के दौरान लोगों के चेहरों पर मुस्कान और आपसी अपनत्व का भाव साफ नजर आया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का पर्व है, जो समाज को आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे के रंग में रंगने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी एकजुटता के साथ महवा विधानसभा क्षेत्र के विकास, सौहार्द और समृद्धि के लिए सभी के सहयोग से निरंतर कार्य किया जाएगा।

कोटड़ी का ताला तोड़ ले गए मोटर और 300 फीट केबल, रसीदपुर में अज्ञात चोरों का धावा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र के रसीदपुर गांव में अज्ञात चोरों ने सूनी पड़ी कोटड़ी को निशाना बनाकर कृषि उपकरणों पर हाथ साफ कर दिया। चोर ताला तोड़कर भीतर घुसे और मोटर, केबल सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। घटना के बाद इलाके में ग्रामीणों में रोष है, वहीं पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रसीदपुर निवासी मुकेश सैनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 2 मार्च की मध्यरात्रि को अज्ञात चोरों ने उसके खेत पर बनी कोटड़ी को निशाना बनाया। चोरों ने पहले कोटड़ी का ताला तोड़ा और भीतर प्रवेश कर गए। इसके बाद वहां रखे स्टार्टर से डोरी काटकर 10 एचपी की सिंगल फेज देशी मोटर, करीब 300 फीट केबल और एक पंखा चोरी कर ले गए। पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि उसी दिन पाइप फटने के कारण मोटर और केबल को निकालकर अस्थायी रूप से कोटड़ी में रख दिया था। अज्ञात चोरों ने इसका फायदा उठाते हुए करीब 28 हजार रुपए कीमत की मोटर और करीब 22 हजार रुपए की केबल सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। सुबह जब वह खेत पर पहुंचा तो कोटड़ी का ताला टूटा मिला और भीतर रखा सामान गायब था, जिसके बाद चोरी की वारदात का पता चला। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई महावीर प्रसाद को सौंपी गई है।

108 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शानदार आगाज 8 मार्च से

सैकड़ो महिलाओं द्वारा निकाली जाएगी ऐतिहासिक कलश यात्रा

राणासर के निर्झरा धाम आश्रम पर होगा कार्यक्रम का आयोजन

प्रधान कुंड पर किरोड़ी मल मोदी एवं छगनलाल मोदी होंगे विराजमान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । नीमकाथाना के नजदीक राणासर के पास स्थित निर्झरा धाम आश्रम पर 8 मार्च से 108 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शानदार आगाज शुरू होगा द्य 108 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है द्य यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया एवं बजरंग लाल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 मार्च

को सराय से निर्झरा धाम आश्रम तक सैकड़ो महिलाओं द्वारा एक एतिहासिक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी द्य पटेल एवं भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यज्ञ स्थल पर प्रधान कुंड पर नीमकाथाना के समाजसेवी किरोड़ी मल मोदी व छगनलाल मोदी विराजमान होंगे साथ ही साथ अन्य लोग भी जोड़ो के साथ यज्ञ स्थल पर आहुतियां देंगे द्य बजरंग लाल पटेल के अनुसार यज्ञ जन-जन के सहयोग से सफल होगा लेकिन यज्ञ के व्यवस्था प्रभारी नीमकाथाना के मोदी परिवार रहेंगा द्य राणासर सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार जाखड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 मार्च से प्रारंभ होने वाले 108 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ को लेकर गांव गांव व ढाणी ढाणी में लोगों को निमंत्रण पत्र दिया जा रहा है द्य समाजसेवी महेंद्र तेतरवाल एवं युवा समाजसेवी राहुल बड़सरा भी यज्ञ की तैयारियों को लेकर गांव गांव व ढाणी ढाणी में पीले चावल बांटकर लोगों को न्योता दे रहे हैं

मोहनराम की प्रथम डाक ध्वज यात्रा का भव्य शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मुंडावर उपखंड के गांव मोलावास मे 3 मार्च को मोहनराम की प्रथम डाक ध्वज यात्रा का भव्य शुभारंभ बाबा भोले नाथ मंदिर मोलावास से किया गया। इस अवसर पर धाकड़ यादव ने मोहनराम की यात्रा को बड़े धूमधाम से डीजे बजाकर रवाना किया। यात्रा में 20 युवाओं ने भाग लिया, जिनमें दीपक, युवराज, डीके, हरविंद, गौरव, जीवन, सोनू, रोहित, रितिक, कोहिनूर आदि शामिल थे। धाकड़ यादव ने हरि झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर हजारीलाल, राधेश्याम, अमरसिंह, मुकेश, विशाल, मोहित, हंसदीप, संदेश, रितिक, महिपाल आदि ग्रामीण मौजूद रहे। यात्रा का उद्देश्य मोहनराम की पूजा-अर्चना करना और क्षेत्र में शांति और समृद्धि की कामना करना था। यात्रा मोलावास से शुरू होकर मिलकपुर में समाप्त होगी, जहां मोहनराम की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

गोठड़ा में पानी के लिए 5 करोड रुपए स्वीकृत करने पर विधायक का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

गोठड़ा शहरी जल योजना के पुनरुद्धार कार्य के लिए विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर द्वारा 5 करोड रुपए स्वीकृत करवाने पर विधायक का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बबलू अवाना ने की कार्यक्रम में बबलू अवाना अशोक कुमावत व धर्मपाल कुमावत के नेतृत्व में विधायक का माला साफा वह मिठाई बांटकर सम्मान किया तथा विधायक का आभार प्रकट किया गया। विधायक ने बताया गोठड़ा में पानी की समस्या अब भविष्य में नहीं रहेगी जिसके लिए ढाणी भरगड़न में पानी की टंकी बनाई जा रही है तथा वहां से आजाद मार्केट बस स्टैंड में नई पानी की लाइन डाली जाएगी तथा वार्ड नंबर 12व13 में भी जर्जर हो रही पानी की लाइन को बदला जाएगा तथा जहां भी पानी की समस्या होगी वहीं पर समस्या को हल किया जाएगा तथा पूरे गोठड़ा ग्राम पंचायत में पानी की सुचारू सप्लाई की व्यवस्था की जाएगी साथ ही विधायक ने भरोसा दिलाया कि खेतड़ी की जनता को कहीं पर भी परेशान नहीं होने दिया जाएगा आने वाली गर्मियों में भी पानी की सुचारू व्यवस्था पूरे खेतड़ी इलाके में की जाएगी। इस मौके पर राजकुमार बाडेटिया, नरेश खटाना, राजू कसाना, होशियार सिंह कड़वासरा, वीरेंद्र कश्यप, बलबीर खटाना सहित अनेक लोग मौजूद रहे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचे काठूवास नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की स्व. माताजी को दी श्रद्धांजलि

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, सांसद मदन राठौड़ भी रहे मौजूद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले नीमराना उपखंड की मांढ़ण तहसील के ग्राम काठूवास पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. चलती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, सांसद मदन राठौड़ और विधायक देवी सिंह शेखावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

होली के दिन निजी इंश्योरेंस ऑफिस में मारपीट, एक व्यक्ति गंभीर घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के ग्राम शाहजहांपुर मे होली के दिन कस्बे में नेशनल हाईवे स्थित एक निजी इंश्योरेंस कार्यालय में मारपीट की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, कार्यालय में बैठे चार लोगों के साथ कुछ युवकों द्वारा विवाद और हाथापाई की गई, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। ऑफिस संचालक जितेंद्र यादव ने बताया कि होली के दिन वे अपने मित्र जयसिंह यादव, योगेश और बिल्लू यादव के साथ कार्यालय में मौजूद थे। दोपहर करीब एक बजे करवाल की ढाणी निवासी नितिन यादव, मंजीत यादव, श्यामसुंदर तथा उनके अन्य साथियों ने वहां पहुंचकर विवाद किया, जो बाद में मारपीट में बदल गया। आरोप है कि मारपीट के दौरान जयसिंह यादव के सिर पर नुकीली वस्तु से वार किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोट होने के कारण उन्हें रेवाड़ी रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से चले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाबा गैबीराम का विशाल मेला एवं भंडारे का आयोजन

काला पहलवान को हराकर 71 हजार की कुश्ती रोहित मौर ने जीती

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । क्षेत्र के गांव गुवानी में बाबा गैबीराम के विशाल मेले एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेले में मुख्य अतिथि नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव तथा विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार रहे। इस दौरान गांव की सरपंच रीना यादव ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। 71 हजार रुपये की इनामी कुश्ती में मिर्चपुर हिसार के रोहित मौर ने काला पहलवान को हराकर जीत हासिल की। वहीं 61 हजार रुपये की कुश्ती अर्जुन पहलवान और सोमवीर के बीच हुई। दोनों पहलवानों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें अर्जुन पहलवान ने कड़ी मशक्कत के बाद जीत दर्ज की। वॉलीबॉल स्मेसिंग प्रतियोगिता में गुवानी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 31 हजार रुपये का पुरस्कार जीता, जबकि गुरुग्राम की टीम को द्वितीय स्थान पर 21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में खरक जाटान की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 51 हजार रुपये तथा गजवान की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 31 हजार रुपये का नगद पुरस्कार हासिल किया। इस मौके पर सरपंच रीना यादव ने बताया कि गांव में हर वर्ष धुलंडी के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। बाबा गैबीराम के नाम और आशीर्वाद से मेले की शुरुआत की जाती है। उन्होंने कहा कि खेलकूद से न केवल स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि युवाओं को रोजगार, यश और सम्मान भी मिलता है। आज खेल युवाओं के लिए बेहतर करियर का माध्यम बन चुके हैं। रात्रि के समय रागिनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तरुण बालियान एंड पार्टी ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि दिनेश यादव, भूपसिंह, जल्लू राम, अनिल शर्मा, राजबीर, तेज प्रकाश, अजय, अनिल, पवन, मुकेश, राहुल शर्मा, संदीप इंजीनियर, रमेश, संतोष, सत्यप्रकाश, योगेश, सज्जन सिंह सहित पंचों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

सांसद सुभाष बराला ने जनसमस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

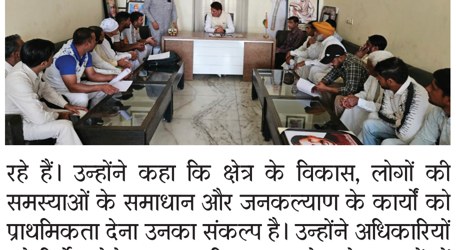

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने वीरवार को अपने आवास पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों व शहरों से आए परिवारजनों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की तथा उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उनसे भेंट कर अपनी व्यक्तिगत व क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और सुझावों से अवगत कराया। सांसद ने सभी की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जनता से सीधा संवाद लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि उनका सदैव प्रयास रहता है कि क्षेत्र के प्रत्येक परिवार की समस्या का त्वरित समाधान हो और आमजन को सरकार की योजनाओं व सुविधाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की सेवा करना उनका कर्तव्य है और वे इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास, लोगों की समस्याओं के समाधान और जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देना उनका संकल्प है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और सभी शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जनसेवा ही उनका ध्येय है और क्षेत्रवासियों का स्नेह, विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करते रहे।

महवा में 12 बोर देशी कट्टा और जिंदा कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

दो सप्ताह में दूसरी बड़ी कार्रवाई, नाबालिग भी पुलिस पकड़ में आया।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र में अवैध हथियारों की गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत महवा थाना पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके साथ मौजूद एक विधि से संघर्षरत किशोर को निरुद्ध किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक अवैध 12 बोर देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हथियार लेकर घूमने वालों में हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने और अवैध हथियारों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत महवा ीओ मनोहरलाल मीणा के सुपरविजन और थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीना के नेतृत्व में पुलिस टीम को सक्रिय किया गया था। इसी दौरान 4 मार्च को पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि सेंट जेवियर स्कूल के पास बेड़ा जगरामपुरा बंधा जाने वाले रास्ते पर दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में देशी कट्टा लेकर घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर दबिश दी और घेराबंदी कर एक आरोपी दिलीप उर्फ गंजी नट को मौके से पकड़ लिया, जबकि उसके साथ मौजूद एक नाबालिग को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर निरुद्ध कर दिया। पुलिस ने दोनों की तलाशी ली तो उनके पास से एक अवैध 12 बोर देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद पुलिस दोनों को थाने ले आई और आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध हथियारों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि महवा थाना पुलिस ने पिछले दो सप्ताह में अवैध हथियारों के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कार्रवाई की है।

80 करोड़ के पूनिया चिटफंड घोटाले में बड़ा झटका, आरोपी करमबीर पूनिया की जमानत याचिका खारिज

टोहाना के युवा अधिवक्ता अंकित भालोठिया ललौदा ने शिकायत कर्ताओं की तरफ से पैरवी कर रखा अपना पक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के बहुचर्चित 80 करोड़ रुपये के पूनिया चिटफंड घोटाले में पीड़ित पक्ष को बड़ी कानूनी राहत मिली है। मामले के मुख्य आरोपी करमबीर पूनिया की नियमित जमानत याचिका को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है। उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अपना अंतिम आदेश पीड़ित पक्ष के हक में सुनाया।गौरतलब है कि इससे पहले 18 अक्टूबर 2025 को अतिरिक्त सत्र न्यायालय, टोहाना में भी आरोपी की जमानत याचिका खारिज की जा चुकी थी। उस दौरान शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से एडवोकेट अंकित भलोटिया, एडवोकेट नीरज गोयल तथा एडवोकेट मनु सिंगला ने प्रभावी ढंग से तर्क रखे थे।इसके बाद नवंबर माह में करमबीर पूनिया ने एक नामित वरिष्ठ अधिवक्ता के माध्यम से पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में नियमित जमानत के लिए याचिका दायर की। उच्च न्यायालय में भी टोहाना के ही एडवोकेट अंकित भलोटिया ने पीड़ित पक्ष की ओर से मजबूती से पैरवी की। लंबी और गहन बहस के पश्चात न्यायालय ने तथ्यों और परिस्थितियों का मूल्यांकन करते हुए जमानत याचिका को निरस्त कर दिया। कानूनी हलकों में इस फैसले को अहम माना जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि इस मामले में तीन अन्य आरोपी पहले से ही नियमित जमानत पर बाहर हैं। इसके बावजूद मुख्य आरोपी की जमानत याचिका का खारिज होना यह दर्शाता है कि अदालत ने आरोपों की गंभीरता और पीड़ितों के हितों को प्राथमिकता दी है।पीड़ितों ने एडवोकेट अंकित भलोटिया की प्रभावी पैरवी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतत कानूनी लड़ाई से न्याय की उम्मीद मजबूत हुई है। यह निर्णय न केवल पीड़ित पक्ष के लिए राहतभरा है, बल्कि आर्थिक अपराधों के मामलों में सख्त रुख का भी संकेत देता है।

केंद्रीय जेल-2 हिसार में हुआ जेल लोक अदालत का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

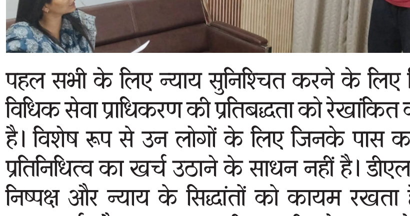

रजत विजय रंगा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहाबाद के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय जेल 2, हिसार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत में विभिन्न अदालतों में लंबित चार मामले रखे गए जिसमें एक बंदी को सजा मुक्त कर दिया गया। सीजेएम गायत्री ने बताया कि जेल लोक अदालत हर महीने लगाई जाती है जिसमें केसों का निपटारा मौके पर ही जिला कारागार में ही किया जाता है। जेल लोक अदालत का उद्देश्य विचाराधीन बंदियों को न्याय दिलाने में तेजी लाना और उन्हें विशिष्ट श्रेणियों के मामलों में कानूनी राहत प्रदान करना है। फतेहाबाद जिले में अपनी जेल नहीं है इसलिए केंद्रीय जेल हिसार 2 फतेहाबाद व हिसार दोनों जिलों के लिए सुधारात्मक सुविधा के रूप में कार्य करती है। सीजेएम गायत्री ने बताया कि जेल लोक अदालत छोटे अपराधों और समझौता योग्य आपराधिक मामलों से संबंधित मामलों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी न्यायिक मंच के रूप में कार्य करती है। सीजेएम ने कहा कि जेल लोक अदालत कानूनी सहायता को बढ़ावा देने, समय पर न्याय सुनिश्चित करने और न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को मजबूत करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि यह पहल रिहा किए गए कैदियों के पुनर्वास और समाज में उन्हें फिर से शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह पहल सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिनके पास कानूनी प्रतिनिधित्व का खर्च उठाने के साधन नहीं है। डीएलएसए निष्पक्ष और न्याय के सिद्धांतों को कायम रखता है जो न्याय पूर्ण और समान कानूनी प्रणाली को बढ़ावा देने में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दृष्टिकोण में योगदान देता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। सीजेएम ने विचाराधीन महिला कैदियों बारे जेल प्रशासन से पूछताछ की। उन्होंने विचाराधीन महिला कैदियों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली, जिस के संबंध में कोई मौखिक शिकायत नहीं मिली। सीजेएम गायत्री ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहाबाद के हेल्पलाइन नंबर 01667-231174 व टोल फ्री नंबर 1800-180-2057 पर सुबह 9.30 बजे से 5 बजे तक किसी भी कार्य दिवस को फोन द्वारा हर प्रकार की कानूनी सहायता व जानकारी दी जाती है।

सांसद सुभाष बराला ने अपेक्स कॉलेज टोहाना में क्षेत्रवासियों के साथ मनाया होली पर्व, एकता और भाईचारे का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना के डांगरा रोड स्थित अपेक्स कॉलेज में क्षेत्र के नागरिकों के साथ होली पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सांसद सुभाष बराला ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। यह त्योहार हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटने और समाज में एकता को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं सदैव लोगों को जोड़ने का कार्य करती हैं और ऐसे पर्व समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे आपसी सौहार्द, भाईचारे और एकता की भावना को मजबूत करें तथा समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने भी सांसद के साथ होली का पर्व मनाते हुए एक-दूसरे को रंग लगाकर शुभकामनाएं दीं।

हरियाणवी इनोवेटिव फिल्म एसोसिएशन (HIFA) का मोरनी में होली मिलन समारोह संपन्न

हरियाणा फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार रहे उपस्थित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हाईफा के जिला प्रधान विनय वर्मा ने बताया हरियाणवी फिल्मी हस्तियों ने धूमधाम से होली मनाई। हरियाणा की सुंदर वादियों में स्थित मोरनी हिल्स के मोरनी नेचर कैंप में हरियाणवी इनोवेटिव फिल्म एसोसिएशन (॥द्बपत्रिका) द्वारा होली मिलन, पिकनिक एवं संगठनात्मक बैठक का भव्य आयोजन किया गया। जाती हुई फरवरी और आते हुए मार्च के मधुर संगम पर आयोजित इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक सौहार्द, संगठनात्मक एकता और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर हरियाणवी सिनेमा की चर्चित फिल्मों गुलाबो एवं चंद्रावल से जुड़े कलाकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुपरहिट हरियाणवी फिल्म गुलाबो की नायिका रेखा वर्मा सरीन तथा चंद्रावल में जीजा की भूमिका निभाने वाले रामपाल बल्हारा की उपस्थिति ने समारोह को गरिमामय बनाया। साथ ही जनार्दन शर्मा, सुमन सेन, मीना मलिक, सोनिया सरताज, कुमार एवं हास्य कलाकार संजीत कौशिक,विशाल एव विनय वर्मा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल दलाल, डिप्टी डायरेक्टर, एजुकेशन डिपार्टमेंट, हरियाणा ने अपने संबोधन में हरियाणवी फिल्म उद्योग के विकास एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संगठन की गतिविधियों की सराहना करते हुए युवा कलाकारों को निरंतर सृजनशील बने रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मूल भावनाओं – क्लोज अप (साथ रहें), कंटिन्यूटी (लगातार साथ रहें) और क्रिएशन (आगे बढ़ते रहें) – को और अधिक सुदृढ़ करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। रंगों के उत्सव, आत्मीय संवाद और सांस्कृतिक मेल-मिलाप के साथ यह आयोजन हाईफा परिवार के लिए एक यादगार अवसर सिद्ध हुआ। अंत में सभी सदस्यों एवं प्रदेशवासियों को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

रोडवाल ग्राम पंचायत में महिलाओं को मिली जागरूकता की नई दिशा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना?।

रमेशचंद । रोडवाल ग्राम पंचायत में गुरुवार को महिलाओं के साथ जाजम बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य सरकार की नई पहल और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथीन दीपा देवी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना था। जाजम बैठक के दौरान राज्य सरकार की नई पहल, आत्मविश्वास की नई पहल तथा नारी स्वाभाविक उड़ान योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित महिलाओं को योजनाओं के लाभ, उद्देश्य और उनसे जुड़ने की प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर जागरूकता दिखाई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ता संतोष देवी, एएनएम मंजू देवी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कुलदीप चौधरी, आशा सहयोगिनी सुमन देवी, निर्मला देवी सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

चारागाह भूमि पर अवैध अतिक्रमण का मामला: हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । सीकर जिले की ग्राम पंचायत मांडोता की चारागाह भूमि पर कथित अवैध अतिक्रमण के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। यह जनहित याचिका याचिकाकर्ता मोतीसिंह द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि ग्राम मांडोता की चारागाह भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे ग्रामीणों और पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रमोद सैनी पौंख ने न्यायालय में पैरवी करते हुए कहा कि चारागाह भूमि सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित होती है और इस पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण कानून के विरुद्ध है।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने समाधान शिविर में सुनीं जन समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

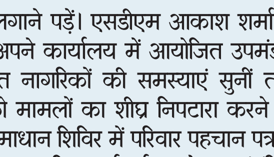

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला एवं उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र से संबंधित 3 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को निस्तारण के लिए फॉरवर्ड किया गया। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो। विभिन्न विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच कर निर्धारित समय-सीमा में समाधान किया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी संशोधन, नए सदस्यों का पंजीकरण, राशन कार्ड, बिजली विभाग एवं पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण किया जाता हैं। सभी मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जनता की समस्याएं सुनी जाती हैं।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना में होली स्नेह मिलन व सेवा संकल्प समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना में होली स्नेह मिलन एवं सेवा संकल्प समारोह भक्ति, उल्लास और आपसी भाईचारे के वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी एवं भामाशाह नरेश प्रकाश वोहरा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डूमोली निवासी समाजसेवी एवं शहीद स्पोर्ट्स क्लब डूमोली के डायरेक्टर घम्मन सिंह फुटबॉलर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनियर विमल कुमार सैनी (अन्नपूर्णा सेवा समिति), सेवानिवृत्त प्राचार्य रामकिशन शर्मा, समाजसेवी राम अवतार वर्मा, सहीराम टूंदवाल तथा राधावल्लभ यादव मौजूद रहे। इसके अलावा फरीदाबाद से पधारे समाजसेवी धर्मवीर जांगिड़ ने भी कार्यक्रम में विशेष रूप से भाग लिया।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा बाबा श्याम के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में संस्थान द्वारा किए जा रहे सेवा, सहयोग और सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। अतिथियों ने भविष्य में भी संस्थान के साथ जुड़े रहकर सहयोग देने का आश्वासन दिया।संस्थान परिवार की ओर से सभी अतिथियों का तिलक लगाकर, फूलमालाओं से स्वागत किया गया तथा बाबा श्याम की पावन तस्वीर भेंट कर और श्याम पाटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर टीम ने चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बड़ी बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी 2025-26 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खिताबी मुकाबले की पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद, जम्मू और कश्मीर ने कर्नाटक को 293 रन पर आउट करके 291 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर ने ओपनर कमरान इकबाल के नाबाद 160 रन और साहिल लोतरा के की शतकीय साझेदारी की सहायता से अपनी दूसरी पारी 4 विकेट प 342 रन बनाकर घोषित कर दी। ये मैच ड्रॉ रहा और पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजयी घोषित किया गया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भी इस सफलता पर टीम की प्रशंसा करते हुए उसे इनाम दिया था।

सचिन के बेटे अर्जुन की शादी में पारंपरिक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

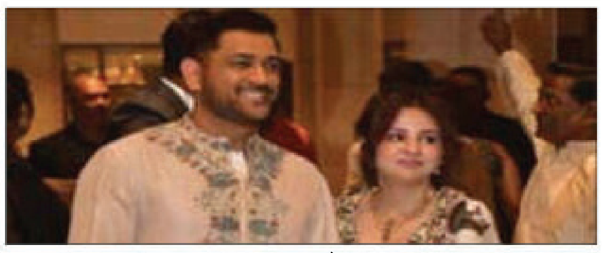

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।

धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के थ्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है।

वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।

प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन के नाम हुआ एक एडिशन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड, इन दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में विस्फोटक शतक लगाया। इस शतकीय पारी के दम पर एलन ने न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

फिन एलन ने 33 गेंदों पर 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी के दौरान आठवां छक्का लगाते ही एलन एक विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन इस विश्व कप में अब तक 20 छक्के लगा चुके हैं। एलन ने इसी विश्व कप में 19 छक्के लगाने वाले शिमरोन हेटमायर और 18 छक्के लगाने वाले साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा।

इससे पहले एक विश्व कप में सर्वाधिक छक्का लगाने की उपलब्धि निकोलन पूरन (17 छक्के 2024 विश्व कप में) के नाम थी। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी20 विश्व कप 2024 में 16 और क्रिस गेल ने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। फिन एलन का यह शतक टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने क्रिस गेल के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों पर शतक लगाया था। एलन टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैचों में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान द्वारा 2009 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में बनाए नाबाद 96 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले एलन तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रैंडन मेक्कुलम 2012 में पल्लेकेले में बांग्लादेश के खिलाफ 123 और ग्लेन फिलिप्स 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 104 रन की पारी खेल चुके हैं।

मैच पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के 169 रन बनाए थे। 170 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया। एलन के 33 गेंदों पर 100 रन के अलावा टिम साइफर्ट ने भी 33 गेंदों पर 58 रन बनाए। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सेमीफाइनल की हार टीम पर एक करारा प्रहार : कोच कॉनराड

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकबले में मिली करारी हार पर नाराजगी जतायी है। कोच के अनुसार ये हार उनकी टीम पर एक करारे प्रहार की तरह है। इस हार से एक बार फिर टीम के बड़े मुकाबलों मे दबाव में आने के आरोप लगाने वालों की बात को ही बल मिला है!। दक्षिण अफ्रीका को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कॉनराड ने इस हार को बेहद दर्दनाक बताया है। मैच के बाद कॉनराड ने कहा, इस मैच में हमारी टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई। आपकी गेम में थोड़ी सी भी पकड़ होनी चाहिए पर हमें हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह एक तरह से ऐसा था जैसे चेहरे पर कोई थप्पड़ मारा गया हो। कॉनराड ने कहा, आज रात बहुत कुछ ठीक नहीं हुआ पर शायद ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे बहुत अच्छे थे और उन्होंने हमें कभी अवसर नहीं दिया। मैं हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाऊंगा। हम अच्छे नहीं थे और वे बहुत अच्छे थे। उन्होंने हमें आगे से रोक दिया, हमने विकेट खोये और हमें कोई मौका नहीं मिला। कोच ने कहा, हमारी टीम की गेंदबाजी की कमजो रही जिससे मैच हमारे लिए कठिन बन गया। वहीं न्यूजीलैंड की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने बहुत, बहुत अच्छा खेला। उन्होंने हमें बिल्कुल अवसर नहीं दिया और सच में बहुत अच्छा दबाव बनाया। उनके स्पिनर बहुत अच्छे रहे। गौरतलब है कि ग्रुप स्तर में न्यूजीलैंड को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन । भारत के लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया। दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

-पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है। वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि,

वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ़्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया। वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हरारे लौटेगी।' 'जिम्बाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हरारे जा रहा है।'

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर । मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी। ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

ऑल इंग्लैंड ओपन में सात्विक-चिराग पहले ही राउंड में बाहर

बर्मिंघम । भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई से सीधे गेम में हारने के बाद ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में बाहर हो गई। यूटिलिटा एरिना बर्मिंघम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में चौथी रैंक वाली भारतीय जोड़ी दुनिया की 33वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से 23-21, 21-12 से हार गई। सात्विक-चिराग ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। 2024 के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन कांग और एरॉन फिर आगे निकल गए और भारतीयों जोड़ी के दो मैच पॉइंट बचाने के बावजूद, आखिरकार टाई-ब्रेक में गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को जारी रखते हुए मलेशियाई जोड़ी ने गेम पर अपना दबदबा बनाया। और सिर्फ पांच और पॉइंट देकर मैच आराम से जीत लिया। इस हार के साथ ही इस मशहूर टूर्नामेंट में भारत का पुरुष युगल में अभियान भी समाप्त हो गया।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

आमिर के बयान पर कैफ का करारा जवाब

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

'खबरों में बने रहने की कोशिश'

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

2024 टी20 वर्ल्ड कप की हार का भी किया जिक्र

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर भी बोले कैफ

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि

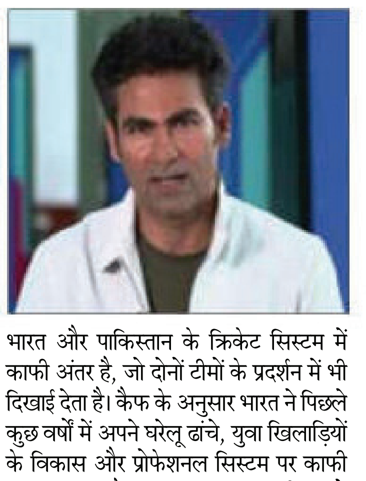

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

भारतीय फैंस को दी खास सलाह

कैफ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को सलाह दी कि उन्हें हर बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार छोटी-छोटी बातों को भी बेवजह बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि टीम और फैंस दोनों ही अपना ध्यान खेल और प्रदर्शन पर रखें, क्योंकि यही किसी भी टीम की असली पहचान बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का प्रदर्शन

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोहम्मद कैफ का संदेश साफ है कि भारतीय टीम को बेवजह की बयानबाजी से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक मैदान पर प्रदर्शन ही किसी भी टीम का असली जवाब होता है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आई प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की।
'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात
फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।
क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?
दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काभी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेंशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

संक्षिप्त समाचार

जल्द ही वेनेजुएला लौटेंगी मारिया कोरिना मचाडो

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा है कि वह जल्द ही देश लौटेंगी। उन्हें 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य नए चुनाव की तैयारी करना है। मौजूदा कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने चेतावनी दी है कि लौटने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया था। देश में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है और आने वाले समय में हालात और बदल सकते हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो समर्थकों का प्रदर्शन

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के समर्थकों ने कई शहरों में रैली निकाली। ये प्रदर्शन मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा के खिलाफ किया गया। साओ पाउलो और रियो डी जेनेरियो में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बोल्सोनारो फिलहाल जेल में हैं और उनके बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। समर्थकों का कहना है कि उनके नेता के साथ अन्याय हुआ है। हाल के सर्वे में लूला और फ्लावियो के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है। आने वाला चुनाव ब्राजील की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है।

गाजा में फिर बढ़ी चिंता

गाजा, एजेंसी। गाजा में हाल ही में युद्धविराम से कुछ राहत मिली थी, लेकिन ईरान पर हमलों के बाद हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। इस्राइल ने सीमाएं बंद कर दी हैं, जिससे खाने-पीने की चीजों की कमी का डर बढ़ गया है। कई लोग राशन जमा करने लगे हैं और आटे जैसी जरूरी चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। युद्ध की शुरुआत हमास के हमले के बाद हुई थी। अब रमजान के महीने में लोग फिर से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हालांकि कुछ इलाकों में गोलीबारी कम हुई है, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है। लोगों को डर है कि नई जंग की वजह से गाजा की समस्या पर दुनिया का ध्यान कम हो सकता है।

टेक्सास शूटिंग की घटना– हमलावर की हुई पहचान

ऑस्टिन , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन शहर में एक बार के बाहर गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने हमलावर की पहचान 53 वर्षीय नदियागा डियाग्ने के रूप में की है। वह हमले के समय ऐसे कपड़े पहने था जिन पर 'अल्लाह की संपत्ति' लिखा था और ईरान का झंडा बना था। पुलिस ने उसे मौके पर ही मार गिराया। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन इस घटना की जांच संभावित आतंकी हमले के रूप में कर रही है। हमलावर ने पहले गाड़ी से गोली चलाई और फिर राइफल लेकर सड़क पर फायरिंग की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से और बड़ी जनहानि टल गई।

पाकिस्तान में सुरक्षा बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की सुरक्षा स्थिति पर एक बड़ी बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक ईरान में हालात बिगड़ने और अफगानिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बाद बुलाई गई। पाकिस्तान ने हाल ही में 'ग़ज़ब लिल हक' नाम से अभियान चलाया है, जो अफगान तालिबान के खिलाफ बताया जा रहा है। इस बीच अमेरिका और इज़राइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। बैठक में सेना प्रमुख और कई बड़े मंत्री मौजूद रहे। ईरान में फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षित निकालने पर भी चर्चा हुई। उन्हें अज़रबैजान के रास्ते वापस लाया जा रहा है। क्षेत्रीय हालात को देखते हुए शरीफ ने अपना प्रस्तावित रूस दौरा भी टाल दिया है।

भारतीय राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी थिंक टैंक के सीईओ नियुक्त

वियना, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के अनुभवी भारतीय मूल के राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी को वियना स्थित थिंक टैंक ग्लोबल नेबर्स का सीईओ नियुक्त किया गया है। 62 वर्षीय चटर्जी रविवार को चीन में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर पद से सेवानिवृत्त हुए। 2 मार्च से वे अपना नया कार्यभार संभालेंगे। चटर्जी नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व छात्र और भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्हें 1995 में वीरता के लिए सम्मानित किया गया था।

गोठड़ा में होली सम्मेलनः सामाजिक समरसता का संदेश, पदोन्नत अधिकारियों का नागरिक अभिनंदन

भाईचारे, नशामुक्ति और सामाजिक उत्थान पर हुआ चिंतन-मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी नगर।

वार्ड नंबर 3, गोठड़ा में ईश्वर सिंह मेघवाल की अध्यक्षता में होली सम्मेलन कार्यक्रम उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्व समाज की ओर से हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतड़ी नगर के महाप्रबंधक वी.के. इंद्रा तथा सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर के उपमहानिरीक्षक राजपाल सिंह के पदोन्नति पर साफा, माला, स्मृति चिन्ह और गुलाल लगाकर नागरिक अभिनंदन किया गया। सम्मेलन का वातावरण पारंपरिक होली स्नेह मिलन की आत्मीयता से ओत-प्रोत रहा। वक्ताओं ने कहा कि त्योहार केवल रंगों का नहीं, बल्कि मनों को जोड़ने का अवसर होते हैं। सामाजिक विसंगतियों को दूर कर आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव के साथ आगे बढ़ना ही सच्ची होली है।कार्यक्रम के दौरान सामाजिक दशा-दिशा पर गंभीर चिंतन-मंथन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति समाज के उत्थान की गति पर निर्भर करती है। इसलिए छोटे-मोटे मनमुटाव भुलाकर सबको साथ लेकर चलना समय की आवश्यकता है। विशेष रूप से विवाह समारोहों और त्योहारों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे रोकने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर सिंघाना ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बाबूलाल कालोरिया, सुरेश चितौसा, ढ़ाणा सरपंच विकास सैनी, नासिर हुसैन, अनिल बोहरा, दलीप सिंह वैहिया, रमेश मेघवाल मांदरी, सीताराम त्यागी, हरलाल सैनी, लीलाधर मेघवाल, गोपालराम चनानियां, रामावतार मरोडिया, मिंटू बहादुर सिंह मेहरड़ा, महेंद्र सिंह, सुमित कुमार, विवान, पवन सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरेश पंवार ने प्रभावशाली ढंग से किया। सम्मेलन में यह संदेश दिया गया कि होली जैसे पर्व समाज को जोड़ने का माध्यम हैं। यदि हम त्योहारों को सकारात्मक सोच, सामाजिक समरसता और नशामुक्त वातावरण के साथ मनाएं तो यही सच्चे अर्थों में उत्सव की सफलता होगी। कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों में नई ऊर्जा और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जागृत किया।

पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर वीजा सेवाएं स्थगित, हिंसक प्रदर्शन के चलते सुरक्षा अलर्ट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बीच अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि लाहौर और कराची में जारी प्रदर्शन और हिंसा, साथ ही इस्लामाबाद और पेशावर में अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिकी कर्मचारियों को सीमित गतिविधि और घर पर रहने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा चेतावनी में अमेरिकी नागरिकों को स्थानीय समाचार पर नजर रखने, भीड़ से दूर रहने, अपने आसपास सतर्क रहने और अपने एसटीईपी रजिस्ट्रेशन को अपडेट रखने की सलाह दी गई है।

वीजा और अमेरिकी सेवाएं रद्द अमेरिकी दूतावास ने बताया कि कराची और लाहौर के वाणिज्य दूतावास, तथा इस्लामाबाद अमेरिकी दूतावास में 2 मार्च के सभी वीजा अपॉइंटमेंट और अमेरिकी नागरिक सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। 'रद्द कर देने चाहिए पाकिस्तानियों के सभी वीजा' गौरतलब है कि कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुए। इसके बाद एक अमेरिकी रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) कार्यकर्ता ने अमेरिका के विदेश विभाग से मांग की है कि पाकिस्तानियों के सभी वीजा, यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी रद्द कर दिए जाएं। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को टैग करते हुए लिखा 'अमेरिकी विदेश विभाग को पाकिस्तानियों के सभी वीजा और ग्रीन कार्ड भी जब तक संभव हो, निलंबित कर देने चाहिए।' उनकी यह मांग कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बाद आई है। लूमर ने दावा किया कि पाकिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से नाराज छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, ये लोग अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कड़ी सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज दोपहर दोबारा घुसने की कोशिश करने के दौरान कई अन्य लोगों को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

माता की स्मृति में विद्यालय में कक्ष व बरामदे का निर्माण करवाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

बाड़लवास गांव के शहीद नरेश कुमार राजकीय प्राथमिक विद्यालय में स्वर्गीय परमेश्वरी देवी पत्नी स्वर्गीय मंगतुराम नारवाल की पावन स्मृति में उनके पुत्रों द्वारा एक कक्ष एवं बरामदे का निर्माण करवाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। स्व. परमेश्वरी देवी की स्मृति में यह निर्माण कार्य उनके पुत्र सुरेश कुमार, मुकेश कुमार और अशोक कुमार द्वारा करवाया गया। उपस्थित लोगों ने उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।कार्यक्रम का मंच संचालन एडवोकेट हरेश पंवार ने किया। इस अवसर पर सत्यनारायण धानियां, दर्शन सिंह, राजकुमार, डॉ. हुकूम सिंह, डॉ. मनीष, डॉ. टीनू, अध्यापिका मीनू, कस्टम इंस्पेक्टर इंजीनियर विकास, इंजीनियर शौतम सिंह, डॉ. रिया सिंह, दलिप पंवार, दिनेश, सोनिया, अंश और खुशी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के इस सामाजिक कार्य की सराहना की।

'हिजबुल्ला के इस्राइल पर हमले गैर-जिम्मेदाराना: लेबनान प्रधानमंत्री नवाफ सलाम

लेबनान , एजेंसी। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम देश की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और इस्राइल को हमले जारी रखने का बहाना देते हैं। उन्होंने बिना किसी संगठन का नाम लिए कहा कि दक्षिणी लेबनान से रॉकेट लॉन्च करना गैर-जिम्मेदाराना और संदिग्ध कार्रवाई है, जो नागरिकों की सुरक्षा को जोखिम में डालती है और देश को नए संघर्ष की ओर धकेल सकती है।

देश को किसी नई सैन्य टकराव में घसीटने नहीं देंगे : प्रधानमंत्री सलाम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार देश को किसी नई सैन्य टकराव में नहीं घसीटने देगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हिजबुल्ला ने क्या किया : यह बयान ऐसे समय आया है जब उग्रवादी संगठन हिजबुल्ला ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के जवाब में लेबनान से इस्राइल की ओर कई रॉकेट दागे। नवंबर 2024 में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद यह पहली बार है जब हिजबुल्ला ने इस्राइल पर इस तरह का हमला किया है।

इस्राइल की कार्रवाई : रॉकेट हमलों के बाद इस्राइल ने लेबनान के हिजबुल्ला नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। इस्राइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि उसने लेबनान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और हमलों के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, एक रॉकेट को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया, जबकि बाकी खुले इलाकों में गिरे। उत्तरी इस्राइल में हमलों के दौरान एयर रेड सायरन बजाए गए। इस्राइल की आपातकालीन सेवा मागेन डेविड अदोम ने बताया कि हमलों में तत्काल किसी की मौत की सूचना नहीं है, हालांकि शेल्टर की ओर भागते समय कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। लेबनान और इस्राइल के बीच तनाव नवंबर 2024 के युद्धविराम के बाद से लेबनान की ओर से रॉकेट हमले बहुत कम हुए थे, लेकिन इस्राइल ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में खतरों को रोकने के नाम पर समय-समय पर हवाई हमले जारी रखे हैं। इससे एक दिन पहले हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम ने औपचारिक श्रद्धांजलि भाषण में अयातुल्ला खामेनेई की हत्या को अपराध की पराकाष्ठा बताया था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

मध्य पूर्व में फंसे हैं एक लाख से अधिक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, विदेश मंत्री पेनी वोंग ने दी जानकारी

कैनबरा , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने सोमवार को बताया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमलों के कारण उड़ानें रद्द होने के बाद लगभग एक लाख से अधिक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक वर्तमान में मध्य पूर्व में फंसे हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन टीवी से कहा कि सरकार मध्य पूर्व में फंसे नागरिकों के लिए विशेष वापसी उड़ानें शुरू करने वाली है, लेकिन इससे पहले प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य (कमर्शियल) उड़ानों के दोबारा शुरू होने का इंतजार हो रहा है।

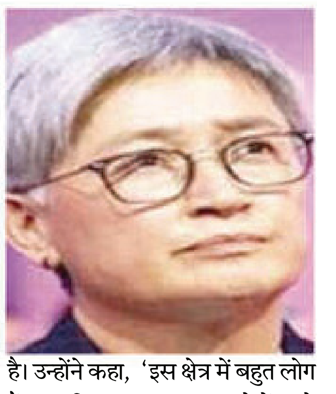

उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र में बहुत लोग हैं, इसलिए अगर हम लोगों को फिलहाल कमर्शियल उड़ानों से यात्रा करने में मदद कर सकें, तो वे सबसे जल्दी घर पहुंच पाएंगे। सोमवार को जारी एक बयान में वोंग ने कहा कि सरकार अब ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को बहरीन, ईरान, इराक, इजरायल, कुवैत, लेबनान, फिलिस्तीन, कतर, सीरिया, संयुक्त अरब अमीरात और यमन की यात्रा न करने की सलाह दे रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि लोगों को जॉर्डन, ओमान और सऊदी अरब की यात्रा करने से पहले दोबारा सोचने की जरूरत है।

जो ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पहले से ही मध्य पूर्व में हैं, उन्हें सरकार ने सलाह दी है कि वे वहां की स्थिति और स्थानीय खबरों पर नजर रखें। इसके साथ ही नागरिकों को अपनी यात्रा की जानकारी सीधे एयरलाइंस या ट्रैवल एजेंट से कंफर्म करने, अपने ट्रैवल इंश्योरेंस की जांच करने के साथ ही और ताजा जानकारी से अपडेट रहने के लिए कहा गया है। वोंग ने बताया कि विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने मध्य पूर्व में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की मदद के लिए एक सेंटर स्थापित किया है। उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि सरकार ने वहां तैनात लगभग 100 रक्षा कर्मियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए नूर खान बेस पर अफगानिस्तान का हमला, मारे गए 35 पाकिस्तानी सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिनों से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए हैं। इस कार्रवाई से दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में अफगान रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमले रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर हुए। इसके अलावा बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन के मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप पर भी बमबारी की गई। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान के कई अन्य जरूरी सैन्य कमांड सेंटरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह ऑपरेशन पाकिस्तानी सेना की हालिया घुसपैठ का बदला है। पाकिस्तान ने पिछले दिनों काबुल और बगराम एयरबेस पर हमले किए थे। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगान हवाई सीमा का उल्लंघन किया या कोई आक्रामक हरकत की, तो उसे और भी कड़ा और निर्णायक जवाब मिलेगा। यह तनाव तब और बढ़ गया जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग का एलान कर दिया। पाकिस्तान ने शुक्रवार को काबुल और कंधार में एयरस्ट्राइक की थीं। इसके कुछ घंटों बाद ही अफगान सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रावलपिंडी का नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की वायुसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे मई 2025 में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी निशाना बनाया गया था। उस हमले में बेस के ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा था।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान ने रात भर चले हमलों में 32 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी 203 मंसूरी, 201 सिलाब और 205 अल-बद्र कॉर्प्स ने इन ऑपरेशनों को पूरा किया। इस दौरान 10 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, 10 घायल हुए और चार सैन्य चौकियां पूरी तरह तबाह हो गईं। अफगान सेना ने पाकिस्तान के दो सैन्य ड्रोन भी मार गिराए हैं।

ईरान पर मिसाइलें बरसाने के लिए ब्रिटेन ने अमेरिका को दिया अपना मिलिट्री बेस

लंदन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में युद्ध के महायुद्ध में तब्दील होने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं ईरान ने भी पूरी ताकत से पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया है। यूईए, कुवैत जैसे देशों में धमाकों की आवाजें गूंज रही हैं। इस बीच अब ब्रिटेन ने ईरान पर मिसाइलें बरसाने के लिए अपना मिलिट्री बेस अमेरिका को देने का ऐलान कर दिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने रविवार को कहा है कि उनके देश ने ईरानी मिसाइलों के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश बेस का इस्तेमाल करने के लिए अमेरिका के अनुरोध को मान लिया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए कहा, 'अमेरिका ने कुछ खास और लिमिटेड डिफेंसिव मकसद के लिए ब्रिटिश बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी है। हमने ईरान को पूरे इलाके में मिसाइल दागने से रोकने के लिए इस अनुरोध को मानने का फैसला किया है।'

क्या बोले स्टारमर : हालांकि स्टारमर ने इस दौरान दोहराया है कि ब्रिटेन शनिवार को ईरान पर हुए अमेरिकी इजरायली एयर स्ट्राइक में शामिल नहीं था। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान ने पूरे इलाके में लगातार हमले किए हैं और उसकी मिसाइलों ने उन एयरपोर्ट और होटलों को निशाना बनाया है जहां ब्रिटिश नागरिक ठहरे हुए थे।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमले फैसला किया था कि ब्रिटेन ईरान पर हमलों

में शामिल नहीं होगा यह फैसला हमने सोच-समझकर लिया था क्योंकि हमारा मानना ??है कि इस इलाके और दुनिया के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका बातचीत से समझौता करना है। लेकिन फिर भी ईरान ब्रिटिश हितों पर हमला कर रहा है और ब्रिटिश लोगों को बहुत बड़े खतरे में डाल रहा है।'

ईरान ने खाई कसम : ब्रिटिश प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात, कतर और कुवैत सहित अन्य खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी कार्रवाई को अमेरिका और इजरायल द्वारा पहले किए गए संयुक्त हमलों का प्रतिशोध बताया गया है। ईरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम भी खाई है।

साइप्रस में ब्रिटिश बेस पर ड्रोन से हमला : इस बीच स्काई न्यूज ने ब्रिटिश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि साइप्रस में ब्रिटेन के रॉयल एयर फोर्स बेस अक्रोटिरी पर एक संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ है। साइप्रस ने भी ड्रोन हमले की पुष्टि की है जिसमें द्वीप पर एक ब्रिटिश बेस को निशाना बनाया गया है और काफी नुकसान भी हुआ है। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बेल्जियम ने जब्त किया रूस का संदिग्ध शैडो फ्लीट तेल टैंकर : ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन ने रविवार को घोषणा की कि उनकी सेना ने रूसी शैडो फ्लीट के एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। एथेरा नामक यह जहाज यूरोपीय संघ की प्रतिबंध सूची में शामिल है और इसे जीब्रूग बंदरगाह ले जाया गया है। रक्षा मंत्री ने बताया कि जहाज पर फर्जी झंडे और दस्तावेजों के साथ चलने का संदेह है। यूक्रेन युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस ऐसे टैंकरों का उपयोग करता है। फ्रेंकेन ने कहा कि रूस के युद्ध को रोकने के लिए इन जहाजों को हटाना जरूरी है। वहीं, रूस ने अपने जहाजों की जब्ती को समुद्री डकैती करार दिया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com